



CLASS: 5

SUBJECT: हिंदी

Prepared By: Salma (Date: )

LESSON-5 दोहे, व्याकरण-6 संज्ञा के विकार

प्रश्न-१) शब्दार्थ मधुश्री पाठ्यपुस्तक से नोटबुक में लिखिए।

प्रश्न-२) दिए गए शब्दों के अर्थ लिखकर वाक्य बनाइए-

क) तरुवर- वृक्ष

वाक्य- तरुवर हमारे प्रकृति के संतुलन को बनाए रखता है।

ख) बानी- बोली

वाक्य- हमें हमेशा मधुर बानी बोलनी चाहिए।

प्रश्न-३) खाली-स्थान भरिए-

क) फटे दूध से माखन तैयार नहीं हो सकता है।

ख) जीवन की तुलना हीरे से की गई है।

ग) सत्य के समान तप नहीं है।

प्रश्न-४) दीर्घ उत्तरीय प्रश्नों के उत्तर चार से पाँच वाक्यों में दीजिए-

१) अनमोल जीवन को सार्थक कैसे बनाया जा सकता है?

उत्तर- इस अनमोल जीवन को मेहनत करके और दूसरों के हित में काम करके सार्थक बनाया जा सकता है।

२) हमें कैसी वाणी बोलनी चाहिए और क्यों?

उत्तर- हमें ऐसी वाणी बोलनी चाहिए जो सामने वाले को सुनने में अच्छी लगे और उन्हें सुख की अनुभूति हो क्योंकि मधुर वाणी बोलने से ही हम किसी के मन में अपने लिए प्रेम और आदर की भावना उत्पन्न कर सकते हैं।

३) प्रेमरूपी धागा टूटने का क्या परिणाम हो सकता है?

उत्तर- प्रेमरूपी धागे के एक बार टूटने पर वह फिर से जोड़ने पर भी नहीं जुड़ता।

जिससे रिश्तों में बैर भावना आ जाती है। इसलिए हमें प्रयास करना चाहिए कि हम अपने संबंधों में प्रेम से रहें और उनका आदर करें।

४) सज्जन परोपकार के लिए धन का संचय क्यों करते हैं?

उत्तर-सज्जन परोपकार के लिए धन का संचय इसलिए करते हैं क्योंकि परोपकार करने से समाज के जरूरतमंदों को आगे बढ़ने का अवसर मिलता है और समाज का विकास होता है।

५) फटे हुए दूध के माध्यम से रहीम क्या संदेश दे रहे हैं?

उत्तर- हमें समाज में और घर-परिवार में अच्छी तरह सोच समझकर सभी से व्यवहार करना चाहिए। क्योंकि जिस प्रकार फटे हुए दूध से मक्खन नहीं निकाला जा सकता, ठीक उसी प्रकार बात बिगड़ने पर पुनः सुधारी नहीं जा सकती है।

प्रश्न-५) गतिविधि- आपको कौन-सा दोहा सबसे अच्छा लगा? कारण सहित उत्तर लिखिए।

व्याकरण पाठ- संज्ञा के विकार

संज्ञा में विकार तीन कारणों से होता है -

१) लिंग २) वचन ३) कारक

लिंग

१) लिंग- जो शब्द पुरुष या स्त्री जाति का बोध कराते हैं, वे लिंग कहलाते हैं।

लिंग के दो भेद होते हैं- १) पुल्लिंग २) स्त्रीलिंग

१) पुल्लिंग - शब्द के जिस रूप से पुरुष जाति के होने का पता चलता है, उसे पुल्लिंग कहते हैं। जैसे- नाना जी, लड़का, बंदर आदि।

पेड़ों, महिनों, दिनों, समुद्रों, पहाड़ों, देशों, ग्रहों के नाम पुल्लिंग होते हैं।

२) स्त्रीलिंग- शब्द के जिस रूप से स्त्री जाति के होने का पता चलता है उसे स्त्रीलिंग कहते हैं। जैसे-नानी जी, लड़की, बंदरिया आदि।

नदी, झील, भाषा, तिथियों, लिपि के नाम स्त्रीलिंग होते हैं।

प्रश्न १) दिए गए शब्दों के लिंग बदलिए-

- |                               |                       |
|-------------------------------|-----------------------|
| १) पिता जी – माता जी          | ६) स्वामी – स्वामिनी  |
| २) प्रधानमंत्री- प्रधानमंत्री | ७) भगवान- भगवती       |
| ३) माली – मालिन               | ८) हाथी – हथिनी       |
| ४) सेठ – सेठानी               | ९) पाठक – पाठिका      |
| ५) नौकर – नौकरानी             | १०) शिक्षक – शिक्षिका |

वचन

२) वचन- संख्या का बोध कराने वाले शब्द वचन कहलाते हैं।

वचन के दो भेद होते हैं- एकवचन और बहुवचन

१) एकवचन- संज्ञा का वह रूप जो एक होने का बोध कराता है, उसे एकवचन कहते हैं।  
जैसे- घोड़ा ,लड़का, बहन आदि।

२) बहुवचन-संज्ञा का वह रूप जो अनेक होने का बोध कराता है, उसे बहुवचन कहते हैं।  
जैसे-घोड़े, लड़के, बहनें आदि।

अपने से बड़ों के सम्मान के लिए बहुवचन का प्रयोग किया जाता है।

जैसे-पिताजी दफ़्तर जा रहे हैं।

प्रश्न-१) दिए गए शब्दों के वचन बदलिए-

- |                    |                        |
|--------------------|------------------------|
| १) किताब – किताबें | ६) वस्तु – वस्तुएँ     |
| २) आँख – आँखें     | ७) नदी- नदियाँ         |
| ३) पौधा – पौधे     | ८) दवाई – दवाइयाँ      |
| ४) पहिया – पहिए    | ९) चिड़िया – चिड़ियाँ  |
| ५) भाषा – भाषाएँ।  | १०) गुड़िया – गुड़ियाँ |

## कारक

कारक- जो शब्द संज्ञा या सर्वनाम का वाक्य से संबंध जोड़ने का काम करते हैं, वे कारक कहलाते हैं।

कारक के मुख्यतः आठ भेद होते हैं-

कारक	विभक्ति-चिह्न	उदाहरण
१) कर्ता कारक	ने	नीलम ने पुस्तक खरीदी।
२) कर्म कारक	को।	राम ने सोहन को पत्र लिखा।
३) करण कारक	से, के द्वारा	बच्चा खिलौने से खेल रहा है।
४) संप्रदान कारक	के लिए, को	माँ बच्चों के लिए दूध लाई।
५) अपादान कारक	से	आसमान से वर्षा की बूँदें गिर रही हैं।
६) संबंध कारक	का, की, के ; रा री रे ; ना नी ने	मैं भारत का नागरिक हूँ।
७) अधिकरण कारक	में , पर	तान्या बिस्तर पर बैठी है।
८) संबोधन कारक।	हे, अरे, ओ।	हे ईश्वर! हम पर कृपा करो।

प्रश्न-१) सही कारक चिह्नों से खाली जगह भरिए –

- १) तारे आकाश \_\_\_\_\_ चमक रहे हैं।
- २) माता जी \_\_\_\_\_ चाय बनाई।
- ३) वह पेंसिल \_\_\_\_\_ लिखता है।
- ४) यह रीमा \_\_\_\_\_ घर है।
- ५) पत्ते पेड़ \_\_\_\_\_ गिर रहे हैं।